

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Invited Talk on 'Air Pollution and Sustainable Development in the NCR Region'

Newspaper: Amar Ujala

Date: 20-09-2022

# ‘विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी’

हर्केवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन, प्रो. एके भागी बोले- विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में से 15 हमारे शामिल होना चिंतनीय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि) महेंद्रगढ़ में ओजोन सप्ताह के तहत विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. एके भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15



विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. एके भागी को स्मृति चिह्न भेंट करती प्रो. नीलम। संवाद

शहर भारत के हैं जो कि चिंतनीय है। हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा।

कार्यक्रम में पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया।

## ‘विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण’

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि) महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित व्याख्यान में शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि



राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गोवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और संपन्न रही है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। संवाद

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 20-09-2022

# विकास के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी है जरूरी



हर्केवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में वक्तव्य देते प्रो. एके भागी ● सी. सस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटर डिप्लोमा एंड एप्लाइड साइंस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल आफ इंटर डिप्लोमा एंड एप्लाइड साइंस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। प्रो. एके भागी ने

बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

प्रो. भागी ने कहा कि विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल आफ इंटर डिप्लोमा एंड एप्लाइड साइंस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

[Public Relations Office](#)

Newspaper: [Impressive Times](#)

Date: 20-09-2022

## Expert lecture organized at CUH

Sanjay Kumar  
[info@impressivetimes.com](mailto:info@impressivetimes.com)

MAHENDARGARH: An expert lecture was organized by the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and Department of Environmental Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Monday. In this expert lecture on 'Air Pollution and Sustainable Development in Delhi NCR Region', Prof. A. K. Bhagi, Dyal Singh College, University of Delhi was present as expert speaker while the program was presided over by the Dean of School of Interdisciplinary and Applied Sciences Prof. Neelam Sangwan. Expert speaker Prof. A.K. Bhagi said that the situation of air pollution in the country can be gauged from the fact that 15 of the most polluted cities in the world are from India. He said



that all of us are spreading pollution directly or indirectly and in spite of all efforts, air pollution is increasing at a rapid pace. Prof. Bhagi told through various examples how air pollution is affecting our health and has reached alarming levels in India. He said that air pollution is increasing continuously due to various human and economic activities. Prof. Bhagi said that it is necessary to continue the development related activities and along with this, a concrete strategy will have to be worked out for the protection of the environment.

# विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी : प्रो. भागी

जगत क्रान्ति ▶ ईश्वर तिवारी

महेन्द्रगढ़ : महेन्द्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओजोन सप्ताह के तहत सोमवार को विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के



लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. एके भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं।

## विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी-प्रो. ए.के.भागी

महेंद्रगढ़, रीयल संवाद। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से



15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और

इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने

कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari

Date: 20-09-2022

## विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी: प्रो. ए.के. भागी

महेंद्रगढ़, 19 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन वॉक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

दिल्ली एन.सी.आर. क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की।

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया



हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में वक्तव्य देते प्रो. ए.के. भागी।

कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रवासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है।

### मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण लगातार बढ़ रहा वायु प्रदूषण

प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा कि विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा।

इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

## Public Relations Office

Newspaper: Jyoti Darpan

Date: 20-09-2022

## विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी-प्रो. ए.के. भागी

नारनौल, राजेश राज गोयल।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने



कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण फलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।